



Bhupender Sharma



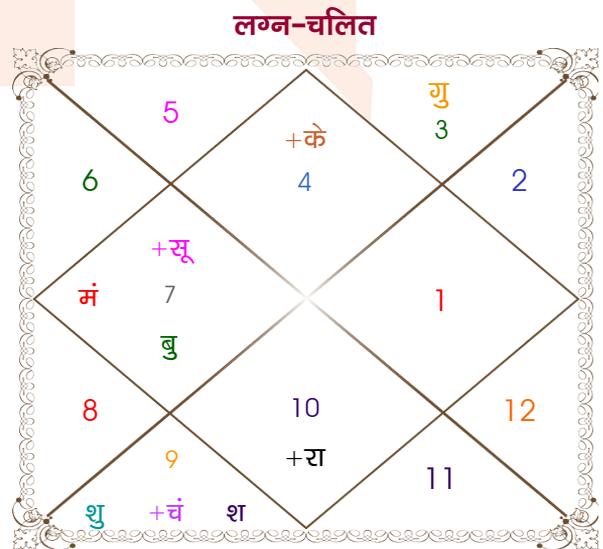
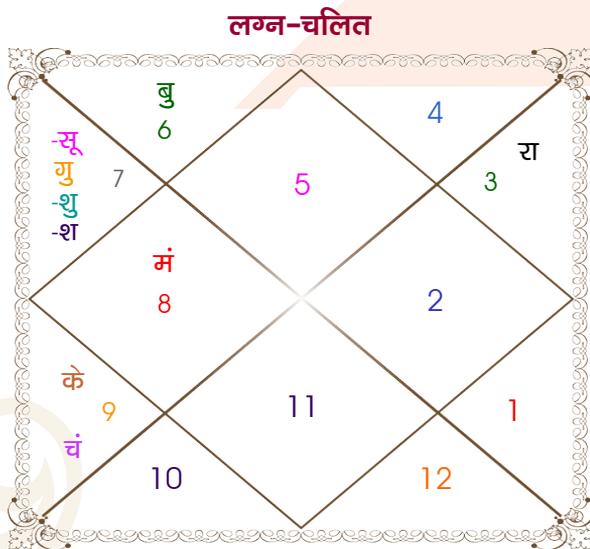
Sharda

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121248912

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 22-23/10/1982 : _____ जन्म तिथि _____ : 04/11/1989
 शुक्र-शनिवार : _____ दिन _____ : शनिवार
 घंटे 03:17:00 : _____ जन्म समय _____ : 23:00:00 घंटे
 घटी 52:00:31 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 40:52:11 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Simla : _____ स्थान _____ : Kasauli
 31:06:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 30:54:00 उत्तर
 77:10:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 76:57:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:20 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:22:12 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:28:47 : _____ सूर्योदय _____ : 06:39:42
 17:41:40 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:31:41
 23:36:42 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:43:04

विंशोत्तरी केतु 0वर्ष 2मा 26दि राहु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 0वर्ष 5मा 7दि राहु	
	18/01/2026	23:22:01	सिंह	लग्न	कर्क	09:33:16		
	18/01/2044	05:33:03	तुला	सूर्य	तुला	18:33:48		
		12:52:36	धनु	चंद्र	धनु	26:22:29		13/04/2013
		29:41:38	वृश्चि	मंगल	तुला	06:37:03		14/04/2031
राहु	30/09/2028	18:44:03	कन्या	बुध	तुला	14:49:00	राहु	25/12/2015
गुरु	24/02/2031	22:30:48	तुला	गुरु व	मिथु	17:05:00	गुरु	20/05/2018
शनि	31/12/2033	02:26:42	तुला	शुक्र	धनु	05:34:05	शनि	26/03/2021
बुध	19/07/2036	02:02:43	तुला	शनि	धनु	15:53:53	बुध	13/10/2023
केतु	07/08/2037	12:58:44	मिथु व	राहु व	मक	28:06:30	केतु	31/10/2024
शुक्र	06/08/2040	12:58:44	धनु व	केतु व	कर्क	28:06:30	शुक्र	01/11/2027
सूर्य	01/07/2041	09:10:32	वृश्चि	हर्ष	धनु	08:53:27	सूर्य	24/09/2028
चन्द्र	31/12/2042	01:15:08	धनु	नेप	धनु	16:25:32	चन्द्र	26/03/2030
मंगल	18/01/2044	03:20:32	तुला	प्लूटो	तुला	21:16:48	मंगल	14/04/2031



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ठीनचमदकमतीतं का वर्ग मूषक है तथा Sharda का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ठीनचमदकमतीतं और Sharda का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ठीनचमदकमतीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।

वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ॥

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल ठीनचमदकमतीतं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ॥

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ठीनचमदकमतीतं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sharda मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता ।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि शनि Sharda कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि राहु ठीनचमदकमर्तौतउं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

ठीनचमदकमर्तौतउं तथा Sharda में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।